

चुमकारना स.क्रि. (देश.) प्यार दिखाने के लिए चूमने जैसा शब्द निकालना, पुचकारना, दुलारना प्रयो. वह चुमकार कर बच्चे से सारी बात पूछने लगा।

चुमवाना स.क्रि. (देश.) चूमने का काम दूसरे से कराना।

चुम्मा पुं. (देश.) चुंबन, बोसा।

चुर पुं. (देश.) 1. हिंसक जंतु की माँद 2. कुछ लोगों के मिलकर बैठने का स्थान 3. सूखे पत्ते, कागज आदि के फटने का शब्द।

चुरकना अ.क्रि. (देश.) 1. चहकना 2. चूर होना 3. टूटना, फटना।

चुरकी स्त्री. (देश.) चुटिया, शिखा।

चुरकुट क्रि.वि. (देश.) 1. चकनाचूर, चूर्णित 2. घबराया हुआ।

चुर कुस पुं. (देश.) चूर-चूर, चूर्ण।

चुर चुराना अ.क्रि. (अनु.) 1. थोड़े आघात से चूर-चूर हो जाना 2. चुर-चुर शब्द करना 3. पक जाना स.क्रि. खरी चीज को चूर-चूर करना।

चुरना अ.क्रि. (तद्.) सीझना, गीली वस्तु का गरम होना, पानी में पकना, गुप्त मंत्रणा होना पुं. (तत्.) सफेद कीड़े जो बच्चों के मल के साथ निकलते हैं, चुन चुना।

चुरमुराना अ.क्रि. (अनु.) चुर-चुर शब्द करके टूटना स.क्रि. चुर चुर शब्द करके तोड़ना।

चुरवाना स.क्रि. (देश.) पकाने का काम कराना, चोरी कराना।

चुरस स्त्री. (देश.) कपड़े आदि की शिकन, सिल्वट, सिकुड़न पुं. चुरुट।

चुराई स्त्री. (देश.) चुरने या पकाने की क्रिया वि. चोरी की हुई प्रयो. उसने महाकवि की कविता चुराई है।

चुराना स.क्रि. (तद्.) 1. दूसरे की वस्तु को उसकी जानकारी या अनुमति के बिना ले लेना, छिपाना, बचाना, देने में कसर रखना, उचित से कम देना, चोरी करना मुहा. चित्त चुराना- मन को

आकर्षित करना; आँख-चुराना- नजर बचाना; जी चुराना- काम की उपेक्षा करना।

चुरुट पुं. (अं.) शरुट तंबाकू के पत्ते की बत्ती जिसका धुआँ लोग पीते हैं।

चुल स्त्री. (देश.) 1. खुजलाहट 2. मस्ती 3. कामोद्वेग मुहा. चुल उठना- काम का वेग होना; चुल मिटाना- काम वासना तृप्त करना स्त्री. माँद, चुर।

चुलचुलाना अ.क्रि. (अनु.) खुजलाहट होना।

चुलचुली स्त्री. (देश.) खुजलाहट।

चुलबुल स्त्री. (देश.) चंचलता, चपलता, चुलबुलाहट।

चुलबुला वि. (देश.) चंचल, नटखट, जो स्थिर न रह सके, जिसके अंग उमंग के कारण बहुत अधिक हिलते डोलते रहें।

चुलबुलाना अ.क्रि. (देश.) 1. चुल बुल करना, बार-बार हिलना, डोलना, स्थिर न रह सकना, चंचलता दिखाना।

चुलबुलापन पुं. (देश.) चंचलता, चपलता, शोखी।

चुलबुली स्त्री. (देश.) चंचलता, चपलता, शोखी वि. ऐसे गुण वाली।

चुलाव पुं. (देश.) 1. बिना मांस का पुलाव 2. चुआने की क्रिया।

चुलियाना पुं. (तत्.) एक मात्रिक छंद, विशेष: इस छंद में 13 और 16 के विश्राम से 29 मात्राएँ होती हैं, इसके अंत में एक जगण और एक लघु होता है।

चुलुप पुं. (तत्.) बच्चों को लाड-प्यार, लालन।

चुलुक पुं. (तत्.) 1. भारी दलदल, गहरा कीचड़ 2. गहरी हुई हथेली जिसमें पानी इत्यादि पी सके, चुल्लू 3. प्राचीन काल का एक बर्तन जो नापने के काम आता था 4. उड़द का धोवन 5. एक गोत्र प्रवर्तक ऋषि।

चुलुका स्त्री. (तत्.) महाभारत में वर्णित एक नदी।

चुलुकी पुं. (तत्.) जलसूकार, सूँस के आकार का एक मत्स्य।